Literacy for a Billion

Movie: Manchali
Year: 1974

Song: O Manchali Kahan Chali
Lyricist: Anand Bakshi

ओ मनचली कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
देख देख देख मुझ से ना शरमा
एक देख देख देख में हूँ
एक भँवरा हो हो हो
और तू कली
ओ मनचली कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
देख देख देख मुझ से ना शरमा
देख देख देख में हूँ
एक भँवरा हूँ हूँ हूँ हूँ
और तू कली
ओ मनचली कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
होठों पे लेके तेरा नाम
आई है रंग भरी शाम
फूलों के छलके हैं जाम
भँवरों ने दिल लिए थाम
ऐसे में है है हो हो हो हो
ऐसे में तोड़ के प्रेम की डोरी
चकोरी ओ गोरी तू कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
दुनिया से नहीं ड़रेगे
कब तक हम आहें भरेंगे

आजा दो बातें करेंगे
छुप के मुलाकातें करेगे
है सच है है है हो
है है है हो
ये सच है मैं हूँ एक दीवाना
ये माना न जाना
तू कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
ऋत ऐसी आई हुई है
बदली भी छाई हुई है
तू क्यो घबराई हुई है
मुझ से शरमाई हुई है
प्यार में हे हे हो हे हे हो
प्यार में उन्हें यार से आँखें चुरा के
सता के जला के तू कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली
देख देख देख मुझ से ना शर्मा
देख देख देख में हूँ
एक भँवरा हो हो हो हो
और तू कली
ओ मनचली कहाँ चली
ओ मनचली कहाँ चली

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.